120

ISSN 2231-3885

संवेद

दिसम्बर, 2019

कविता कभी होती नही पुरानी

जयप्रकाश मानस

जयप्रकाश मानस

मूलतः ओडियाभाषी किन्तु हिन्दी के सुपरिचित कवि। 2 अक्टूबर, 1965, रायगढ़, छत्तीसगढ़ में जन्म। देश के तमाम लब्ध प्रतिष्ठ पत्र-पत्रिकाओं में समादृत। विगत 3 दशकों से विभिन्न विधाओं के माध्यम से निरंतर सृजनरत एवं अब तक 4 कविता संग्रह प्रकाशित - तभी होती है सुबह, होना ही चाहिए आँगन, अबोले के विरूद्ध, सपनों के क़रीब हों आँखें। 5 वाँ सग्रह प्रकाशनाधीन।

अन्य प्रमुख कृतियाँ हैं– ललित निबन्धः दोपहर में गाँव (पुरस्कृत), आलोचना रू साहित्य की सदाशयता, साक्षात्कारः बातचीत डॉट कॉम, डायरी (पढ़ते-पढ़ते) लिखते-लिखते, बाल साहित्यः बाल-गीत-चलो चलें अब झील पर, सब बोले दिन निकला, एक बनेगें नेक बनेंगे, मिलकर दीप जलायें, जयप्रकाश मानस की बाल कविताएँ, नवसाक्षरोपयोगीः यह बहुत पुरानी बात है, छत्तीसगढ के सखा, लोक साहित्यःलोक-वीथी, छत्तीसगढ़ की लोक कथायें (10 भाग), हमारे लोकगीत, विज्ञानरू इन्टरनेट, अपराध और कानून। सम्पादित किताबें - पाती राम के नाम (विष्णु प्रभाकर के पत्र), हिन्दी का सामर्थ्य, साहित्य की पाठशाला, छत्तीसगढीः दो करोड़ लोगों की भाषा, बगर गया वसन्त (बाल कवि श्री वसंत पर एकाग्र), एक नयी पूरी सुबह (कवि विश्वरंजन पर एकाग्र), विंहग (20 वीं सदी की हिन्दी कविता में पक्षी), यहाँ से वहाँ तक (बिट्रेन के प्रवासी कवियों की कविताएँ), तपश्चर्या और साधना) संत गुरु घासीदास, विजयिनी मानवता हो जाय, नदी (हिन्दी में नदी केन्द्रित कविताओं का संचयन)।

रचनाएँ कई भाषाओं में अनुदित हो चुकी हैं। कुछ रचनाएँ स्कूल एवं महाविद्यालयीन पाठ्यक्रम में प्रचलित। विगत एक दशक से वेबपत्रिका सृजनगाथा डॉट कॉम का सम्पादन-प्रकाशन।

विभिन्न पुरस्कारों एवं सम्मानों से अंलकृत श्री मानस ने भारत से बाहर 17 देशों में हिन्दी के संबर्धन के लिए अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी सम्मेलनों के आयोजन-संयोजन का रचनात्मक कार्य किया है। वर्तमान में वे छत्तीसगढ़ शासन में वरिष्ठ अधिकारी हैं।

सम्पर्क- जयप्रकाश मानस,
एफ-3, छग माध्यमिक शिक्षा मण्डल
आवासीय परिसर, पेंशनवाड़ा, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001
मो.- 7000405751

ISSN-2231-3885 SAMVED

संवेद-120

दिसम्बर, 2019

कविता कभी होती नहीं पुरानी

जयप्रकाश मानस

सम्पादक

किशन कालजयी

ISSN-2231-3885 SAMVED

संवेद -120

दिसम्बर, 2019

सम्पादक : **किशन कालजयी**

सहायक सम्पादक : **राहुल सिंह**

प्रबन्ध सम्पादक : **अतुल माहेश्वरी**

सम्पादकीय सम्पर्क
बी–3/44, सेक्टर–16,
रोहिणी, दिल्ली–110089
मो. : +918340436365
samvedmonthly@gmail.com

आवरण : बंशीलाल परमार

एकमात्र वितरक
नयी किताब प्रकाशन
1/11829, प्रथम मंज़िल, पंचशील गार्डन,
नवीन शाहदरा, दिल्ली-110032
फोन : 011–22825606, 9811388579
nayeekitab@gmail.com

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक कुमकुम कुमारी द्वारा
बी–3/44, सेक्टर–16, रोहिणी, दिल्ली–110089
से प्रकाशित और लक्ष्मी प्रिंटर्स, 556, जीटी रोड,
शाहदरा, दिल्ली–110032 से मुद्रित।

इस अंक का मूल्य : चालीस रुपये
वार्षिक सदस्यता : सात सौ रुपये
रजिस्टर्ड डाक से–एक हजार रुपये
आजीवन : दस हजार रुपये

सम्पादन : अवैतनिक
लेखकों के व्यक्त विचारों से सम्पादक या प्रकाशक का सहमत होना अनिवार्य नहीं।
पत्रिका से सम्बन्धित समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अन्तर्गत विचाराधीन।

1. देखा मैंने जो इस दुनिया में

न डर कि कोई वही है

नहीं रहता आसमान में केवल सूरज
रहता है चाँद, वहीं सितारे

नहीं रहती धरती पर केवल नदियाँ
रहते हैं ताल-तलैया, पोखर बहुत सारे

नहीं होता कविता में केवल कवि
होते हैं शब्द, अर्थ, सन्दर्भ अविचारे

न डर - कोई वहीं है
केवल डर - हर कोई वहीं हो!

अक्सर

जिन लोगों के पास नहीं होती रोशनी
अक्सर
वे ढूँढ लेते हैं रात का मुकाम-पोस्ट
जिन लोगों के पास नहीं होती चाँदनी
अक्सर
वही तलाश लेते हैं सवेरे का जनपद
वही जानते हैं चिट्ठी छाँटना
जिन लोगों के पास नहीं होता डाकखाना
डाकिए अक्सर नहीं जानते सही-सही बाँचना।